साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 26 | गोंदिया : गुरुवार, 3 से 9 फरवरी 2022 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

भूमिगत गटर पर लगा ब्रेक

नगर परिषद की विशेष आमसभा में हुआ फैसला

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर की भूमिगत गटर योजना का कार्य निम्नस्तर व घटिया दर्जे का किए जाने के चलते इसकी सैकड़ों शिकायतें नगर परिषद को प्राप्त होने के पश्चात इस संदर्भ में 31 जनवरी को नगर परिषद सभागृह में विशेष आमसभा आयोजित की गई थी। जिसमें सर्वसम्मति से गटर योजना के कार्यों को स्थगित करने का प्रस्ताव पास किया गया।

गौरतलब है कि गोंदिया शहर की भूमिगत गटर योजना का कार्य गत डेढ़ वर्षो से शुरु है। उपरोक्त कार्य महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के माध्यम से एक निजी एजेंसी को दिया गया था। जिसके द्वारा गोंदिया शहर में भूमिगत गटर योजना की लाइन बिछाने का कार्य शुरु किया गया। लेकिन उपरोक्त कार्य घटिया व निम्न दर्जे का किए जाने के चलते, इस संदर्भ में शहर के नागरिकों द्वारा नगर परिषद सदस्यों के माध्यम से अनेकों शिकायतें दर्ज करवाई गई थी। इस मामले में नगर परिषद द्वारा समय-समय पर महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना भी दी गई थी। लेकिन इस पर महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण व संबंधित एजेंसी द्वारा अनदेखी कर कार्य निरंतर किया जा रहा था। जिसमें पाइप लाइन के गड्ढे खोदे जाने से लेकर उन्हें समुचित तरीके से बुझाने का कार्य बहुत ही घटिया दर्जे का हो रहा था। जिसमें शहर के सभी प्रमुख मार्गो पर भूमिगत गटर योजना की लाइन के गड्ढे हो चुके थे जिसमें आए दिन वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने के साथ शहर के नागरिक जख्मी भी हो रहे थे। साथ ही उपरोक्त गटर योजना के टेंडर के नियम के अनुसार कार्य भी नहीं किया जा रहा था। जिसमें पाइप लाइन को भूमिगत करने के पश्चात संबंधित मार्ग को समुचित तरीके से सुधार कार्य करना था। किंतु सिर्फ लाइन बिछाने के बाद मार्गो की लीपापोती कर मार्गो का सुधार कर भूमिगत गटर योजना का कार्य करने वाली कंपनी द्वारा किया जा रहा था।

विशेष यह है कि उपरोक्त भूमिगत गटर योजना से सिर्फ शहर के नागरिकों के शौचालय से निकलने वाले पानी की निकासी की जाने वाली है। डेढ़ वर्षो से भूमिगत गटर योजना का कार्य शुरु है, किंतु अब तक तय मानकों के अनुसार काम भी नहीं हो पाया है। अब तक सिर्फ 15 से 18 प्रतिशत लाइन ही बिछाने का कार्य हो पाया है। जबकि इस अवधि में 40 से 45 प्रतिशत का कार्य पूर्ण हो जाना चाहिए था। इन सभी गंभीर विषयों को देखते हुए 31 जनवरी को भूमिगत गटर योजना के संदर्भ में नगर परिषद सभागृह में एक विशेष आमसभा का आयोजन दोपहर 1.00 बजे किया गया। जिसमें इस त्रुटिपूर्ण व घटिया दर्जे के कार्य करने वाले महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण की एजेंसी के कार्यों को स्थगित करने का प्रस्ताव नगर परिषद में पक्ष नेता घनश्याम पनतवने द्वारा रखा गया। जिस पर करीब 3 घंटों की चर्चा के पश्चात सर्वसम्मति से गटर योजना के कार्यों को स्थगित करने का निर्णय सभा में मंजूर किया गया।

आयोजित सभा में महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के कार्यकारी अभियंता पाटिल को भी बुलाया गया था। उन्हें इन सभी गंभीर शिकायतों की जानकारी भी दी गई है।

योजना नप की लेकिन कार्यों पर नियंत्रण नहीं

शहर की भूमिगत गटर योजना गोंदिया नगर परिषद की है। किंतु इसका कार्य महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के माध्यम से निजी एजेंसी को दिए जाने के चलते उपरोक्त कार्यो पर नगर परिषद प्रशासन के अधिकारियों का नियंत्रण नहीं होने से मनमाने तरीके से गटर योजना का कार्य महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण व संबंधित एजेंसी द्वारा किया जा रहा था। जिस पर कार्यों की गुणवत्ता व घटियास्तर का कार्य होने पर जब शिकायतें की जाती थी तो इस पर अनदेखी की जाती है।

शुरुआत से ही विवादित गटर योजना

गोंदिया शहर की भूमिगत गटर योजना शुरुआत से ही विवादों में रही है। इसके पूर्व अनेकों बार गटर योजना का प्रस्ताव नामंजूर होता आया था। योजना को लेकर अनेक राजनीतिक प्रतिद्वंदिता भी सामने आ चुकी है तथा जब गटर योजना का प्रस्ताव नगर परिषद की आमसभा में मंजूर हुआ था तब भी इसमें काफी विवाद होने के साथ ही सत्ता पक्ष भाजपा के अनेकों पार्षदों द्वारा इसका विरोध भी किया गया था तथा मांग की थी कि उपरोक्त कार्य महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के माध्यम से न करवाते हुए नगर परिषद प्रशासन के माध्यम से किया जाए जिसके चलते यह योजना शुरु होने के पूर्व ही काफी विवादित रही है।

नगर परिषद के अभियंता की हो निगरानी

गोंदिया शहर की भूमिगत गटर योजना के कार्यो पर गोंदिया नगर परिषद के बांधकाम विभाग के अभियंता की भी निगरानी हो इस प्रकार का प्रस्ताव विशेष आमसभा में मंजूर किया गया है तथा संबंधित कंपनी पर घटिया निर्माण कार्य के लिए शासन के नियमानुसार कार्यवाही की भी मांग की गई है।

अदानी विद्युत प्रकल्प में मजदूर की मौत

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले के तिरोड़ा तहसील में स्थित अदानी विद्युत प्रकल्प में 27 जनवरी की शाम चिखली निवासी मजदुर अशोक जीवन हरिनखेडे की आकस्मिक मौत हो जाने के चलते मृतक के गृहग्राम चिखली में तनाव की स्थिति निर्माण हो गई। जिसके चलते सुरक्षा के लिए अदानी के गेट पर पुलिस का कड़ा सुरक्षा इंतजाम किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार 27 जनवरी को अदानी विद्युत प्रकल्प के सामान्य कार्य के समय अशोक कार्य पर तैनात था। अवकाश के दौरान भोजन करने के पश्चात उसकी स्थिति बिगड़ने पर साथी कामगारों द्वारा विद्युत प्रकल्प में कार्यरत चिकित्सक के पास ले जाया गया। चिकित्सक द्वारा जांच कर उसकी स्थिति गंभीर होने पर गोंदिया के एक निजी चिकित्सालय में ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच कर उसे मृत घोषित किया। अशोक की मृत्यु की जानकारी प्रकल्प में कार्यरत कामगारों को प्राप्त होते ही अदानी विद्युत प्रकल्प के प्रशासन के विरोध में तीव्र आक्रोश व्यक्त किया। मजदुर की मौत हो जाने पर उसके गृह ग्राम चिखली में स्थिति गंभीर हो जाने पर किसी भी प्रकार की घटना घटित न हो इसके लिए पुलिस के कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए। 28 जनवरी को मृतक के शव का जिला सामान्य चिकित्सालय में शव विच्छेदन कर मृत शरीर परिजनों को दिया गया। मृतक का शव गांव में पहुंचने पर मृतक के परिजनों द्वारा अदानी विद्युत प्रकल्प व्यवस्थापन से 20 लाख रुपए की आर्थिक मदद की मांग की गयी। जब तक आर्थिक मदद प्राप्त नहीं होती, अंतिम संस्कार नहीं करने का परिजनों व ग्रामीणों द्वारा निर्णय लिया गया।

बेटियों के सिर से उठा पिता का साया

अशोक हरिनखेडे यह अपने परिवार में एकमात्र कमाने वाला व्यक्ति था। वह अदानी विद्युत प्रकल्प में एक्वा कंपनी में गत 8 वर्षों से कार्यरत था। उसकी मौत के पश्चात उसके परिवार में पत्नी अपर्णा (40) व पुत्री रुपाली (15), त्रिवेणी (13) है। बेटियों के सिर से पिता का साया उठ जाने से ग्राम में शोक का वातावरण निर्माण हो गया।

लोकल क्राईम ब्रांच ने पकड़ा ५० किलो गांजा

७ लाख ५० हजार का माल जब्त

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले में बड़े पैमाने पर मादक पदार्थो की तस्करी, अपराधिक व गैरकानूनी कार्यो पर रोक लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे द्वारा कड़े आदेश दिए गये हैं। जिस पर निरंतर विभिन्न थाना क्षेत्रों में व लोकल क्राइम ब्रांच द्वारा कार्यवाही की जा रही है। इसी के तहत पेट्रोलिंग के दौरान लोकल क्राइम ब्रांच पुलिसदल को गुप्त जानकारी मिली कि एक वाहन में बड़े पैमाने पर मादक पदार्थ गांजे की तस्करी की जा रही है। जिसके पश्चात लोकल क्राइम ब्रांच द्वारा ग्राम कामठा बस स्टॉप चौक पर नाकाबंदी कर आमगांव की ओर से आ रही सेंट्रो कार को रोका गया। जिसकी तलाशी लिए जाने पर प्लास्टिक के 4 बैग मिले। जिन्हें खोले जाने पर उसमें मादक पदार्थ की तेज गंध आ रही थी। बोरियों में 50 किलो 750 ग्राम मादक पदार्थ गांजा भरा हुआ था। जिसकी अंदाजन कीमत 7 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई।

इस मामले में पुलिस द्वारा वाहन क्रमांक एमएच 12 - डीवाय 1121 के चालक गोंडउमरी तहसील साकोली जिला भंडारा निवासी वाल्मिक पुंडलिक लांजेवर तथा महिला आरोपी गौतम नगर गोंदिया निवासी अनीता शंभू बन्सोडे (45) को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा बताया गया कि उपरोक्त मादक पदार्थ वाहन से रायपुर, आमगांव मार्ग से कामठा की ओर लाया जा रहा था। आरोपियों के खिलाफ रावणवाड़ी पुलिस थाने में फरियादी पुलिस उपनिरीक्षक तेजेंद्र मेश्राम की शिकायत पर मादक पदार्थ प्रतिबंधक कानून 1985 की धारा 8, 20, 29 के तहत मामला दर्ज किया गया। उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के मार्गदर्शन में लोकल क्राइम ब्रांच के पुलिस निरीक्षक बबन आव्हाड़, सपोनि राहुल पाटिल, पुलिस उपनिरीक्षक तेजेंद्र मेश्राम, जीवन पाटिल, संतोष यादव, मनोज उघड़े, सफो गोपाल कापगते, पोहवा राजेंद्र मिश्रा, अर्जुन कावडे, भुवनलाल देशमुख, पोना तुलसीदास लूटे, महेश मेहर, पोशि विजय मानकर, संतोष केदार, मापोशि सुजाता गेडाम द्वारा की गई।

जिप स्कूल मे गांधी पुण्यतिथी की जगह मनायी जयंती

बुलंद गोंदिया - शिक्षा के मंदिर मे पढ़े लिखे विद्वान् शिक्षक द्वारा महात्मा गाँधी की पुण्यतिथि को जयंती के रुप मे मनाकर दिखा दिया कि वे कितने होनहार व जानकार है। यह मामला गोंदिया तहसील अंतर्गत आनेवाले निलज जिला परिषद पूर्व माध्यमिक स्कूल मे मुख्याध्यापक व समस्त शिक्षकों ने 30 जनवरी 2022 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यथिति को जयंती के रुप मे मनाकर शिक्षा का स्तर कितना गिर चुका है, ये दर्शा दिया है। स्कूल को शिक्षा को मंदिर कहा जाता है, जहाँ बच्चो को विविध विषयो का ज्ञान दिया जाता है, महापुरुषों के विचारों से अवगत कराया जाता है। लेकिन यदि स्कूल के मुख्याध्यापक और शिक्षकों को जयंती व पुण्यतिथि मे फर्क न समझता हो तो व बच्चो को क्या शिक्षा देंगे? ऐसे विद्वान शिक्षकों पर उचित कार्यवाही करने की मांग नीलज ग्राम पंचायत की सरपंच संगीता रहांगडाले ने जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से की है। जिला परिषद शाला निलज मे शिक्षको द्वारा बापू की पुण्यथिति को जयंती के रुप मे मनाई गयी और फलक पर भी इसका साफ-साफ उल्लेख किया। जिससे गाँव मे यह चर्चा का विषय बन गया है। संगीता रहांगड़ाले सरपंच नीलज ने उच्च अधिकारियों से की शिकायत की। इस संबंध मे मुख्याध्यापक बिसराम मेंढे से जानकारी लेने पर उन्होंने टालमटोल जवाब दिया।

धनेंद्र भुरले प्राणघातक हमला प्रकरण में ३ और आरोपी हिरासत में

आरोपियों की संख्या हुई 5

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले के प्रसिद्ध समाजसेवीका सविता बेदरकर (भूरले) के पति धनेंद्र भूरले पर 28 जनवरी को टेमनी-कटंगी मार्ग पर महाराजा ढाबे के पास 28 जनवरी को दो हमलावरों द्वारा गोलीबारी कर प्राणघातक हमला किया था। इस मामले में पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे ने तत्काल अज्ञात आरोपियों को पकड़ने के आदेश दिया था। जिसके पश्चात स्थानीय अपराध शाखा, शहर पुलिस व रामनगर पुलिस द्वारा अलग-अलग दल का गठन कर तलाशी अभियान चलाया था। जिसमें पूर्व में प्रॉपर्टी डिलर उदय देवीदास गोपलानी व गणेश जाधव को हिरासत में लिया गया था। जिनसे कड़ी पूछताछ के पश्चात जमीन खरीदी-बिक्री के व्यवसाय में गोपलानी को मदद करनेवाले माताटोली निवासी नीरज गूरलदास वाधवानी (45) को हिरासत में लिया गया। जिसके द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ईरी निवासी नरेश नारायण तरोने (35) व आरटीओ ऑफिस के पीछे गोंदिया निवासी शिवशंकर भैयालाल तरोंने (33) की जानकारी सामने आयी। जिन्हें हिरासत में लिए जाने पर उन्होंने कबूल किया है कि वारदात के दिन टेमनी से कटंगी मार्ग से लौट रहे फरियादी धनेंद्र भूरले पर जान से मारने के उद्देश्य से गोली चलाई गई थी। सभी आरोपियों पर रामनगर पुलिस थाने में धारा 307, 120(बी), सहायक धारा 3, 25, 27 भारतीय हथियार कानून 1951 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

धापेवाड़ा की सड़क के बीच गड्ढा मोटरसायकल गिराकर जताया विरोध

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले के ग्राम धापेवाड़ा मार्ग की सड़क काफी जर्जर हो गई है। जगह-जगह सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं। बरसात में पानी भर होने के कारण यहां दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। कई बार पीडब्ल्यूडी के शाखा अभियंता हरने को इस मार्ग के गड्ढों के बारे में अवगत कराया गया, किंतु इस ओर संबधित विभाग ध्यान नही दे रहा है। 26 जनवरी के सुबह ग्रामीणों ने प्रदीप रोकड़े की नेतृत्व में मोटरसाइकल को गड्ढे में गिराकर विरोध प्रदर्शन किया। संबधित विभाग को इस मार्ग की जल्द से जल्द मरम्मत कर सुचारु रुप से सड़क निर्माण किया जाए और पावरहाउस टोली से लेकर लोधिटोला तक के सड़क मार्ग का चौड़ीकरण किया जाए, अन्यथा ग्रामीणों ने

आंदोलन की चेतावनी भी दी है। विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रदीप रोकड़े, संजय माहुले, पवन बनोटे, तुलसी बघेले, संतोष उके, मिथुन गोखे, कमलेश बागड़े आदि ग्रामवासी उपस्थित थे। यह मार्ग गोंदिया-धापेवाड़ा-तिरोड़ा जाने का प्रमुख मार्ग है। इस मार्ग से छोटे-बड़े वाहनों का रात-दिन आवागमन शुरु रहता है। किंतु इस मार्ग पर नीलागोंदी से लेकर धापेवाड़ा तक की सड़के बुरी तरह जर्जर हो गई है।

सरपंच ने स्वयं के खर्चे से बना दी डाकघर की इमारत

सरपंच संजय खरवड़े कायम की मिसाल

बुलंद गोंदिया - अक्सर यह सुना जाता है कि सरपंच द्वारा भारी पैमाने पर विभिन्न योजनाओं की निधि में हेराफेरी कर भ्रष्टाचार किया जाता है। लेकिन ऐसे भी कुछ सरपंच होते हैं जो अन्य सरपंचों के लिए मिसाल बन जाते हैं। अर्जुनी मोरगांव तहसील के कानोली ग्राम के सरपंच संजय खरवड़े ने स्वयं के खर्चे से गांव में सरकारी डाकघर की इमारत बना दी है। जिसकी सराहना हर स्तर पर की जा रही है।

इस संदर्भ में जानकारी दी गई कि अतिसंवेदनशील नक्सल प्रभावित ग्राम से पहचाने जानेवाले कानोली ग्राम पंचायत के सरपंच संजय खरवड़े ने अपनी उच्च शिक्षा का परिचय देते हुए विकासकार्य करने का मन बना लिया है। संजय खरवड़े ने सिविल इंजिनिअर की शिक्षा प्राप्त की है। लेकिन वे सरकारी सेवा में कार्यरत नहीं है। गांव का विकास करने के लिए उन्होंने सरपंच का चुनाव लड़ा। जिसमें उन्हें सफलता भी मिली। ग्राम में विगत 40 वर्षों से निजी मकान में डाकघर का कामकाज चलाया जा रहा था। शासन द्वारा इमारत तैयार नहीं की गई थी। जिसके घर में डाकघर का कामकाज चलाया जा रहा था, वे डाकघर में डाकपाल की पोस्ट पर कार्यरत थी। किंतु विगत कुछ माह पूर्व ही उनकी सेवा समाप्ति होने के बाद डाकघर का कामकाज चलाना मुश्किल हो रहा था। जिसे गंभीरता से लेते हुए अपनी उच्च शिक्षा का परिचय देकर संजय खरवड़े ने स्वयं के खर्चे 3 लाख रुपए की लागत से डाकघर की इमारत का निर्माण किया। अब इस इमारत में सरकारी डाकघर का कामकाज 26 जनवरी से शुरु हो गया है। इस डाकघर के अंतर्गत क्षेत्र के 12 ग्राम आते हैं। जिसमें सुकन्या योजना, बैंक व्यवहार, पॉलिसी, बिजली बिल आदि का व्यवहार प्रतिदिन किया जा रहा है। जिस कारण क्षेत्रवासियों को बैंक तथा बिजली बिल भरने कार्यालय में जाना नहीं पड़ रहा है। सरपंच के इस कार्य की सराहना हर स्तर पर की जा रही है।

संपादकिय

निलंबन निराधार

महाराष्ट्र विधानसभा से भाजपा के बारह विधायकों के निलंबन को सर्वोच्च न्यायालय ने असंवैधानिक करार दिया है। इसे स्वाभाविक ही महाराष्ट्र महाअघाड़ी सरकार को झटके के रुप में देखा जा रहा है। मगर इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी अधिक गंभीर है और उसे नजीर की तरह याद रखा जाना चाहिए।

दरअसल, मानसून सत्र के दौरान महाराष्ट्र विधानसभा में सभापति के साथ अभद्रता करने के आरोप में भाजपा के बारह विधायकों को एक साल के लिए निलंबित कर दिया गया था। इस फैसले का भाजपा ने पुरजोर विरोध किया। विपक्ष का कहना था कि निलंबन से पहले संबंधित विधायकों का पक्ष तक सुनने की जरुरत नहीं समझी गई। फिर उस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती दी गई, जिस पर यह फैसला आया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा है कि इस तरह निलंबन का फैसला तो निष्कासन से भी बुरा है। इसे किसी भी रुप में संवैधानिक नहीं कहा जा सकता। अधिक से अधिक उसी सत्र तक के लिए उन विधायकों का निलंबन किया जा सकता था। साल भर के लिए निलंबन का अर्थ है कि उतने दिन तक वे अपने क्षेत्र के प्रतिनिधि नहीं हैं। यानी वे सभी क्षेत्र बिना प्रतिनिधि के हैं।

स्वाभाविक ही इस फैसले को राज्यसभा से निलंबित सांसदों को लेकर हुए विवाद से भी जोड़ कर देखा जाने लगा है। गौरतलब है कि मानसून सत्र में ही ठीक इसी तरह राज्यसभा के कुछ विपक्षी सांसदों को सदन में अमर्यादित आचरण के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। तब सदन में हाथापाई हो गई थी और विपक्षी सांसदों को सुरक्षाबलों के जरिए बाहर निकालना पड़ा था।

फिर जब शीत सत्र शुरु हुआ, तब भी उन्हें सदन की कार्यवाही से बाहर रहने को कहा गया। इस पर विपक्ष ने जम कर हंगामा किया और सदन के बाहर धरना-प्रदर्शन करते रहे। सत्तापक्ष का तर्क था कि सदन कभी समाप्त नहीं होती, इसलिए सांसदों का निलंबन तब तक बना रहेगा, जब तक कि वे लिखित रुप में माफी नहीं मांगते। इसे लेकर दोनों पक्ष कानूनी नुक्ते पेश करते रहे, मगर निलंबित सांसदों को कार्यवाही से बाहर ही रखा गया।

सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले के बाद सवाल उठता है कि क्या यही बात राज्यसभा के सांसदों पर लागू नहीं होती? जो हो, पर हकीकत यही है कि अब सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से महाराष्ट्र के विधायकों और राज्यसभा के सांसदों के सदन की कार्यवाही से बाहर रहने से जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई नहीं हो सकती। पर आने वाले वक्त में इसका ध्यान तो रखा ही जा सकता है।

सदन से प्रतिनिधियों के निलंबन का फैसला कई बार सत्तापक्ष सियासी हथकंडे के रुप में करते हैं। जब कभी सरकारों को लगता है कि किसी विषय पर जरुरी बहुमत हासिल करना मुश्किल होगा, तब वह किसी न किसी बहाने विपक्षी प्रतिनिधियों को सदन से बाहर करने का प्रयास करती हैं, ताकि उनके पक्ष के लोगों के मतदान से ही कानून पारित करा लिया जाए।

यों भी सदन में विपक्ष की मौजूदगी जितनी कम रहती है, सत्तापक्ष के लिए उतनी ही आसानी होती है। विडंबना है कि इस कोशिश के चलते पिछले कुछ सालों से संसद और विधानसभाओं में बगैर चर्चा के कानून पास करा लेने की परंपरा गाढ़ी होती गई है। इस तरह बने कानून विवाद का विषय बनते हैं। यह प्रवृत्ति स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी नहीं कही जा सकती।

बर्बरता की हद

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि एक अकेली युवती के साथ काफी देर तक इस तरह की बर्बरता होती रही और वहां मौजूद महिलाओं सहित सारे लोग या तो उसमें शामिल रहे या फिर मूकदर्शक रहे। सवाल है कि कोई भी व्यक्ति अपने से संबंधित किसी महिला के साथ इस तरह के बर्ताव को लेकर क्या सोचेगा?

दिल्ली के एक इलाके में जिस तरह की घटना सामने आई है, किसी आधुनिक समाज में उसका ब्योरा एक काल्पनिक डरावनी कहानी की तरह लगता है। लेकिन देश में सबसे सुरक्षित क्षेत्र में शुमार राजधानी में जो हुआ, वह बेहद त्रासद हकीकत है और इस पर कोई भी संवेदनशील इंसान अफसोस, दुख और गुस्से से भर जा सकता है।

वहां कुछ लोगों ने एक युवती का अपहरण किया, उससे सामूहिक बलात्कार किया गया, फिर उसके बाल काटे गए, चेहरे पर कालिख पोत कर और गले में जूतों की माला डाल कर सड़कों पर घुमाया गया।

सबसे अफसोस की बात यह थी कि इस समूची घटना में पुरुषों के साथ महिलाएं भी शामिल थीं, जिनकी पहली जिम्मेदारी थी कि वे कम से कम महिला होने के नाते पीड़िता की मदद करने की कोशिश करतीं। लेकिन सुर्खियों में आए एक वीडियो के मुताबिक भीड़ में शामिल महिलाएं उस युवती से बर्बर बर्ताव में हिस्सा ले रही थीं, हंस रही थीं। अफसोसनाक यह भी है कि जहां यह सब हो रहा था, वहां से कुछ ही दूरी पर पुलिस बूथ है। इसके बावजूद करीब दो घंटे तक यह शर्मनाक और अराजक वाकया घटित होता रहा।

ज्यादातर आपराधिक घटनाओं के मामले में देर से पहुंचने को एक रिवायत की तरह पूरा करने वाली पुलिस वहां भी देर से पहुंची, तब उस युवती को छुड़ाया गया। अब नौ महिलाओं सहित ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया गया है और कुछ अन्य आरोपी फरार हैं। सवाल है कि ऐसी घटनाओं को आमतौर पर किसी दूरदराज और पिछड़े इलाके में अपराध की एक सामंती प्रवृत्ति के तौर पर मानने के संदर्भ में कैसे देखा जाएगा?

देश की राजधानी होने के नाते यह उम्मीद की जाती है कि यहां पुलिस और प्रशासन के स्तर पर ऐसी चौकसी होगी कि अचानक होने वाली किसी आपराधिक वारदात से निपटने के लिए एक सुव्यवस्थित तंत्र होगा। समाज के तौर पर भी यहां के लोग आधुनिक और सभ्य मूल्यों के ज्यादा संपर्क में आए होंगे और उसी मुताबिक जीने की कोशिश करते होंगे। लेकिन मामले के समूचे ब्योरे पर नजर डालें तो बेहद अफसोस के साथ स्वीकार करना पड़ेगा कि यह घटना एक समाज के स्तर पर पूरी तरह नाकाम होने का सबूत है, पुलिस और प्रशासनिक तंत्र के रवैए और कार्यशैली पर एक गहरा सवालिया निशान लगाती है।

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि एक अकेली युवती के साथ काफी देर तक इस तरह की बर्बरता होती रही और वहां मौजूद महिलाओं सहित सारे लोग या तो उसमें शामिल रहे या फिर मूकदर्शक रहे। सवाल है कि कोई भी व्यक्ति अपने से संबंधित किसी महिला के साथ इस तरह के बर्ताव को लेकर क्या सोचेगा?

व्यापक संदर्भों में देखें तो यह सवाल व्यक्तिगत हो सकता है, लेकिन सार्वजनिक तौर पर ऐसा व्यवहार करने वाला व्यक्ति ही ऐसी घटनाओं के पीछे छिपी मानसिकता और विचार का वाहक होता है।

दूसरे, जो सरकार हर कुछ दिन बाद जनता को यह भरोसा देती रहती है कि वह महिलाओं के सुरक्षित जीवन के लिए हर उपाय करेगी, आपराधिक घटनाओं से उन्हें बचाने के लिए भारी तादाद में सीसीटीवी लगाएगी या अपराधियों के खिलाफ कड़े कदम उठाएगी, उन्हें सामाजिक विकास जैसे कार्यक्रम पर शायद सोचना भी जरुरी नहीं लगता। जबकि महिलाओं के खिलाफ तमाम अपराधों के पीछे आमतौर पर कुंठित पुरुष मानसिकता काम करती है और इस प्रवृत्ति से बाहर लाने के लिए विशेष पहलकदमी की जरुरत है।

खासतौर पर जब एक महिला के खिलाफ आपराधिक बर्ताव करने वाली भीड़ में महिलाएं ही प्रमुख रुप से शामिल हों, तो यह सभी के लिए विचार करने का मामला है कि किसी समाज के सभ्य होने की कसौटी पर वे कहां हैं..।

साप्ताहिक राशिफल

मेष राशि- आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। मानसिक शान्ति रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। यात्रा लाभप्रद रहेगी। नौकरी में कोई विशेष जिम्मेदारी के साथ स्थान परिवर्तन हो सकता है। आय में वृद्धि होगी लेकिन किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वृष राशि- आत्मविश्वास से लबरेज तो रहेंगे लेकिन आशा-निराशा के मिश्रित भाव मन में रहेंगे, आत्म संयत रहें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग बन रहे हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। इच्छा के विरुद्ध कई अतिरिक्त जिम्मेदारिया मिल सकती हैं। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

मिथुन राशि- आत्म संयत रहें, वाणी में सौम्यता रखें, परिवार में हंसी खुशी का माहौल बना रहेगा। किसी पुराने मित्र एवं भाइयों के सहयोग से आय के स्रोत विकसित होंगे। कार्य में परिश्रम की अधिकता अधिक रहेगी लेकिन यथानुरुप आय में वृद्धि की संभावना कम ही नजर आ रही है। माता को स्वस्थ विकार हो सकता है। आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी तथा अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। सुखद खान-पान में रुचि बढ़ेगी।

कर्क राशि- मन में शांति व प्रसन्नता के भाव रहेंगे, आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे लेकिन अति उत्साही होने से बचें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा, माता व परिवार की किसी बुजुर्ग महिला से धन की प्राप्ती के योग बन रहे हैं। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा लेकिन स्थान परिवर्तन की संभावना भी बन रही है। माता से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, वाहन के रख रखाव में खर्चे बढ़ सकते हैं। रहन-सहन सामान्य रहेगा, आय में अवरोध आ सकते हैं।

सिंह राशि- अपनी भावनाओं को वश में रखें, स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। भवन सुख का विस्तार होगा, नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र का विस्तार भी होगा, अफसरों से मतभेद हो सकते हैं। घर में धार्मिक कार्य हो सकते हैं, किसी धार्मिक यात्रा पर जाने के योग भी बन रहे हैं। खर्चों में वृद्धि होगी, स्वास्थय के प्रति सचेत रहें। पिता से धनप्राप्ति हो सकती है।

कन्या राशि- मानसिक शांति तो रहेगी लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि संभव है, आय में भी वृद्धि होगी। स्थान परिवर्तन भी संभावित है, खर्चों में भी वृद्धि होगी। भवन के रख रखाव व सज्जा पर खर्चे बढ़ सकते हैं, भाइयों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक एवं शोध आदि कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

तुला राशि- वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रुझान बढ़ेगा, नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी, संचित धन भी बढ़ेगा लेकिन किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नौकरी के लिए साक्षात्कार आदि कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि- आत्मविश्वास में वृद्धि होगी लेकिन क्रोध की भी अधिकता रहेगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। माता का सनिध्य व सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता सहयोग मिलेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, भाइयों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं, साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। उच्चपद प्राप्ति के योग बन रहे हैं, आय में वृद्धि होगी।

धनु राशि- धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा, आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। परिवार के साथ यात्रा देशाटन के लिए जाना हो सकता है। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। व्यर्थ के लड़ाई झगड़ों से बचने का प्रयास करें। जल दुघर्टना के योग बन रहे हैं, नदी व जलाशय आदि में स्नान से बचने का प्रयास करें। संतान को स्वास्थ्य विकार रहेंगे।

मकर राशि- कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। संपत्ति से आय में वृद्धि हो सकती है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। नौकरी में तरक्की की संभावनएं बन रही हैं, अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी, वाहन सुख का विस्तार संभव है। धर्म के प्रति श्रद्धा का भाव रहेगा। नौकरी में अफसरों से वैचारिक मतभेद बढ़ सकते हैं।

कुंभ राशि- क्रोध एवं आवेश की अधिकता रहेगी, दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वाहन के रख रखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं, कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं, लेखनादि कार्यों से आय में वृद्धि के योग बन रहे हैं, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान की ओर रुझान बढ़ेगा। माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मीन राशि- मानसिक शांति तो रहेगी, लेकिन मन में असंतोष भी रहेगा। घर परिवार में धार्मिक कार्य होंगे, वस्त्रादि उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं, अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से धन की प्राप्ती हो सकती है, यात्रा लाभप्रद रहेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी, लेकिन किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। अनियोजित खर्चे बढ़ेंगे

संत लहरी बाबा जन्म शताब्दी वर्ष २०२२

पूरे भारतवर्ष में विभिन्न स्थानों पर होंगा कार्यक्रमों का आयोजन

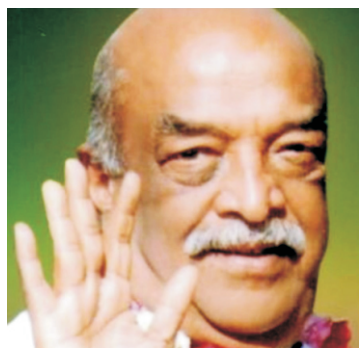

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले के ब्रह्मलीन संत शिरोमणि जयरामदास उर्फ लहरी बाबा के 7 दिसंबर 2022 को जन्मदिवस के 100 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। इस उपलक्ष में वर्ष 2022 का संपूर्ण वर्ष जन्म शताब्दी समारोह के रुप में पूरे भारतवर्ष में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जाएगा। इसकी जानकारी 29 जनवरी को आयोजित पत्र परिषद में लहरी आश्रम ट्रस्ट के शिष्यगण एवं खिलेश्वर उर्फ टुकड़ोंजी बाबा ने दी है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले के गोंदिया तहसील के अंतर्गत आनेवाले ग्राम कामठा में 7 दिसंबर 1922 को संत शिरोमणि जयरामदास उर्फ लहरी बाबा का जन्म हुआ था। बचपन से ही वे आध्यात्मिक क्षेत्र व समाज सेवा में रत रहकर समाज में फैली अंधश्रद्धा, अज्ञानता व पुरानी असामाजिक रुढ़ियों को समाप्त कर समाज में जनजागृति लाने का कार्य शुरु कर रहे थे। उनके इन कार्यों से उनकी ख्याति

दूर-दूर तक फैलने लगी थी। साथ ही उन्हें दिव्य ज्ञान प्राप्त हुआ जिससे वे क्षेत्र के एक महान संत के रुप में जाने जाने लगे। उन्होंने जय मानव का नारा देकर मानव सेवा को ही उत्कृष्ट कार्य बताया। वे महाराष्ट्र की संत परंपरा के श्रेष्ठ व अग्रणी संत थे। उन्होंने कभी अपने जीवन में जात-पात, ऊंच-नीच आदी बातों से किसी में भी भेदभाव नहीं किया। वे केवल मानव कल्याण की ही बात करते थे। वैसे तो हजारों लोगों को उनके चमत्कारिक अनुभव प्राप्त हुए, किंतु उन्होंने सदैव कहा कि चमत्कार वही है जो दानव को सच्चा मानव बनाएं, सत्य कार्य ही सत्यनारायण की पूजा है। ऐसा कहने वाले महाराष्ट्र के पुरोगामी संत थे। सच्चे संत को कैसे पहचाने? ऐसा कहते वक्त उन्होंने कहा जो अनंत में विलीन हैं वही संत है, जीव ही शिव है ऐसा वह मानते थे और यही बात उन्होंने अपने आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से लोगों को, समाज को समझाने की कोशिश की। वैसे तो बाबा केवल चौथी कक्षा तक ही विद्यार्जन कर पाए थे। लेकिन उन्होंने आध्यात्मिक ग्रंथ प्रपंच परमार्थ एक सार एवं लगभग 17 सौ मराठी एवं हिंदी लिखित भजनों में अपने विचार प्रकट किए, जो आज भी समाज को प्रेरणा दे रहे हैं।

वे अपने जीवनकाल में कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों से भी मिले। जब वे महात्मा गांधी से मिले तो गांधी जी ने उन्हें गांव में जाकर जागृति का काम करने को कहा। जो उन्होंने हमेशा याद रखा और वैसा ही कार्य भी किया। साथ ही व्यसन मुक्ति का कार्य बड़े पैमाने पर उन्होंने किया। जिसके लिए शासन ने उन्हे सम्मानित एवं पुरस्कृत करने का प्रस्ताव रखा, किंतु उन्होंने अस्वीकार कर दिया।

राष्ट्रसंत तुकड़ोंजी महाराज उन्हें अपने छोटे भाई के रुप में मानते थे। जब भी राष्ट्रसंत का आगमन गोंदिया में किसी धार्मिक कार्यक्रम के लिए होता तो वे परमपूज्य लहरी बाबा को सम्मान के साथ अपने बगल में स्थान दिया करते थे। साथ ही बाबा के आग्रह पर राष्ट्रसंत तुकड़ोंजी महाराज ने कामठा आश्रम को भी भेंट दी थी। तब उनके साथ गोंदिया के प्रतिष्ठित व्यक्ति मनोहरभाई पटेल भी थे।

साध्वी प्रीतिसुधाजी का कार्यक्रम जब गोंदिया में हुआ तो तब आयोजकों ने परमपूज्य बाबा को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। तब साध्वी प्रीतिसुधाजी ने बाबा से पूछा था- बाबा आप समाधि कैसे लगाते हैं। तब बाबा ने बड़ा ही शानदार जवाब दिया कि मैं हर पल समाधि में ही रहता हूं। उनके इस जवाब से साध्वी प्रीतिसुधाजी भी काफी प्रभावित हुई थी।

ऐसे महान संत विभूति के जन्म के 100 साल वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में श्री संत लहरी आश्रम कामठा ट्रस्ट जिला गोंदिया द्वारा जन्म शताब्दी समारोह 2022 मनाने का निश्चय किया है। जिसमें बाबा के शिष्यगण संपूर्ण भारतवर्ष में जगह-जगह सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे। मुख्य कार्यक्रम लहरी आश्रम कामठा गोंदिया में 7 दिसंबर 2022 से 11 दिसंबर 2022 तक बड़े ही भव्य स्वरुप में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर भारतवर्ष के संतों का भव्य संत सम्मेलन भी आयोजित होगा। जिसमें नामी संतों के सम्मिलित होने की संभावना है। साथ ही विभिन्न सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें रक्तदान, स्वास्थ्य विषयक शिविर, विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिता, ग्राम सफाई अभियान जैसे कार्यक्रमों का समावेश है। इस प्रकार की जानकारी लहरी आश्रम ट्रस्ट के पदाधिकारियों शिष्यगणों व लहरी बाबा के सुपुत्र खिलेश्वर उर्फ टुकड़ोंजी बाबा ने दी है। इस अवसर पर गोपालबाबा, के..बी. बावनथड़े, रामकृष्ण बाघाडे, अनिल ठाकरे, मनोहर गोंडाने, संजय तराम, अपूर्व मेठी, दीपक कुंदनानी, विजय सातपूरे, विट्ठलराव भरने आदि उपस्थित थे।

कृत्रिम हाथ लगाने का नि:शुल्क कैंप

घर की पाठशाला व लायंस क्लब भोजन सेवा गोंदिया के संयुक्त तत्वधान में होंगा आयोजित

बुलंद गोंदिया - कृत्रिम हाथ नि:शुल्क लगाने का कैंप घर की पाठशाला व लायंस क्लब भोजन सेवा गोंदिया के संयुक्त तत्वाधान में जल्द ही गोंदिया में आयोजित किया जाएगा। उपरोक्त शिविर में जिन लोगों के हाथ कोहनी से नीचे कटे हुए हैं, ऐसे लोगों को अमेरिका में बना हाथ लगाया जाएगा। विशेष यह है कि यह हाथ लगाने के बाद वह दिव्यांग व्यक्ति बहुत से कार्य कर सकता है। जैसे लिखना, चम्मच पकड़कर खाना खाना, बाइक, कार या साइकिल चलाना, घरेलू कार्य, समान उठाना व मजदूरी करना जैसे और भी बहुत कुछ कार्य। जिसकी अनुमानित निर्माण कीमत 15000 है जो इस कैंप में बिल्कुल नि:शुल्क दिया जाएगा। यह हाथ हरिकृष्णा फाउंडेशन द्वारा उपलब्ध करवाया जाएगा इसके लिए किसी भी प्रकार का ऑपरेशन नहीं करना पड़ता है। यह हाथ घड़ी की तरह सहजता से कभी भी लगाया व खोला जा सकता है। संस्था द्वारा आवाहन किया गया है कि यदि किसी व्यक्ति जिसका हाथ कोहनीं से नीचे कटा हुआ हो तथा मूल हाथ का कम से कम 3 इंच का हिस्सा मौजूद हो ऐसे लोगों तक यह जानकारी पहुंचाये तथा वे इस कैंप का लाभ लें। कैंप के लिए रजिस्ट्रेशन लायन सुनीता कालूराम अग्रवाल 8888130989, 9422130989, लायन हुकूमचंद अग्रवाल 9326810999, लायन स्नेहा प्रतीक कदम 8007214709, 9834730577, लायन मनोज दुर्गानी 9225231706, लायन मनोज डोहरे 9423113027 के पास किया जा सकता है। लाभार्थियों की उचित संख्या में रजिस्ट्रेशन होते ही उपरोक्त शिविर की तारीख निश्चित कर कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस प्रकार की जानकारी लायंस क्लब भोजन सेवा गोंदिया के द्वारा दी गई है।

४० वर्षों से बुरड़ कामगारों की समस्याएँ प्रलंबित

उपेक्षा के शिकार - हजारों परिवार

बुलंद संवाददाता - बांबु के माध्यम से विभिन्न जीवनावश्यक व आकर्षक सामग्री बनाकर उसकी बिक्री कर जीवनयापन करनेवाले जिले के हजारों बुरड कामगार पिछले 40 वर्षों से अपने हक व अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। लेकिन आज तक किसी भी सरकार ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिय है, जिसके कारण हजारों बुरड मजदूर परिवार समस्याओं से जूझ रहे हैं। वन कानून व अन्य समस्याओं के चलते उन्हें बांबु उपलब्ध नहीं होने से उन पर भुखमरी की नौबत आन पड़ी है। आज के बदलते युग में बांबु कला को बढ़ावा नहीं दिए जाने के कारण यह कला अब नष्ट होने की कगार पर है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले को प्रकृति ने बड़े पैमाने पर वन संपदा दी है। जिसमें बांबु का भी समावेश है। पहले आसानी से बांबू उपलब्ध होने से हजारों परिवार बुरड़ व्यवसाय से जीवनयापन करते थे। लेकिन बदलते युग में यह व्यवसाय अब खत्म होने लगा है। अंग्रेजों के शासन के पहले से ही यह व्यवसाय चलता आ रहा है। अंग्रेजों ने भी इस व्यवसाय पर प्रतिबंध नहीं लगाया था। लेकिन अब शासन द्वारा अनेक नियमों को सामने लाकर बुरड़ व्यवसायियों को खत्म किया जा रहा है। सरकार द्वारा वर्ष 1970 जंगल सरक्षण के तहत बसोड नामक किताब अमल में लाई गई। इस दौरान 12 से 15 रुपए में 100 बांबू मिल जाते थे। 1975 तक यह स्थिति बरकरार थी। लेकिन उसके बाद शोषण शुरु हो गया। वर्ष 1980 में जंगल में बांबू तोडने वालों से जुर्माना वसूल किया जाने लगा। जिससे 10-15 किमी दूर जाकर बांबू अधिक दामों में खरीदने की मजबूरी मजदूरों पर आयी। इस प्रकार की अनेक समस्याओं को लेकर बुरड़ कामगार नेता लक्ष्मण चंद्रीकापुरे ने 1982 में मुंबई-हावड़ा राष्ट्रीय महामार्ग रोक कर बड़ा आंदोलन भी किया गया था। इस आंदोलन में हजारों बुरड़ कामगार शामिल हुए थे। इस आंदोलन के बाद कामगारों की समस्या सरकार के दरबार में तो पहुंची। लेकिन आज तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो सकी है। वर्ष 2010 में नेशनल बांबू प्रकल्प की घोषणा की गई, लेकिन उसमें बुरड व्यवसाय का समावेश नहीं हुआ। पिछले 40 वर्षों से बुरड कामगार महामंडल का निर्माण करने, कामगारों को नियमित बांबू उपलब्ध करने, मजदूरों द्वारा निर्मित बांबू की सामग्री सरकार द्वारा खरीदी करने की एवं इस प्रकार की अनेक मांगे आज भी प्रलंबित है।

सरकार दें ध्यान

बुरड़ व्यवसाय को जिंदा रखने के लिए महामंडल की स्थापना जरुरी है। एससी, एसटी प्रवर्ग के हजारों परिवार इस व्यवसाय पर निर्भर है। वनविभाग तथा समाज कल्याण द्वारा बांबू उपलब्ध कर इस व्यवसाय को बढ़ावा दिया जा सकता है। 14 अप्रैल 1983 को हमने राष्ट्रीय महामार्ग को रोककर बड़ा आंदोलन किया था। जिसके बाद कुछ मांगे पुरी हुई। लेकिन आज भी यह व्यवसाय उपेक्षित है। सरकार से मांग है कि महामंडल की स्थापना कर बुरड़ व्यवसायियों को आधार दिया जाए।

- लक्ष्मणराव चंद्रीकापुरे
बुरड़ कामगार नेता, गोंदिया

स्कूल की भूमि पर अनाधिकृत रुप से ग्राम पंचायत भवन का निर्माण

तेढवा शासन के नियमों का किया जा रहा उल्लंघन

बुलंद गोंदिया - गोंदिया तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम तेढवा में ग्राम पंचायत सरपच, पदाधिकारियों व ग्रामसेवक द्वारा शासन के नियमों का उल्लंघन कर स्कूल की भूमि पर ग्राम पंचायत भवन का निर्माण अनाधिकृत रुप से किया जा रहा है।

गौरतलब है कि ग्राम तेढवा में नई ग्राम पंचायत भवन के निर्माण के लिए 20 लाख रुपए की निधि मंजूर हुई थी। जिससे नए ग्राम पंचायत के भवन का निर्माण शासकीय भूमि पर किया जाना था। किंतु ग्राम पंचायत के पदाधिकारी, सरपंच एवं ग्रामसेवक द्वारा अपनी मनमानी करते हुए ग्राम तेढवा की हिंदी पूर्व माध्यमिक शासकीय शाला के परिसर में बिना किसी शालेय व्यवस्थापन समिति को जानकारी, पत्र व्यवहार न कर अनाधिकृत रुप से ग्राम पंचायत भवन का निर्माण तेज गति से शुरु कर दिया है।

इस संदर्भ में जब ग्रामीणों द्वारा उनसे इस अनाधिकृत निर्माण की जानकारी मांगी गई तो उनके द्वारा गोलमाल जवाब दिया गया तथा कार्य को और तेज गति से शुरु कर दिया है। इस संदर्भ में इस बांधकाम निर्माण के विरोध में ग्राम के 221 पालकों ने व नागरिकों द्वारा संबंधित विभाग के अधिकारियों से शिकायत भी की है। किंतु नागरिकों के विरोध होने के बावजूद भी राजनीतिक दबाव के चलते अवैध निर्माण कार्य को रोका नहीं गया है। इस संदर्भ में शिक्षा विभाग द्वारा भी ग्राम पंचायत भवन के निर्माण को अनाधिकृत बताया गया है तथा इसकी जांच भी शुरु है। उसके बावजूद भी इस प्रकार का कार्य किया जाना शासन के नियमों का उल्लंघन करना, किस राजनीतिक दबाव के चलते हो रहा है, इस पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है। ग्राम के नागरिकों द्वारा संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों से इस निर्माण कार्य के खिलाफ जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

पिस्तौल और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी

प्रॉपर्टी डीलर से वसूले ७४ लाख

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर में जबरान व अवैध वसूली का धंधा बदमाशों द्वारा चलाया जा रहा है। इसी प्रकार के एक मामले में गोंदिया शहर के प्रॉपर्टी डीलर नंदकिशोर सोनवाने ने शासकीय विश्राम गृह में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाते हुए बताया कि वर्ष 2017 से 2020 तक फिरौती के रुप में चार आरोपियों द्वारा बंदूक व चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी देकर 74 लाख रुपए वसूल कर लिए। जिसमें उनके द्वारा समय-समय पर 2 से 5 लाख 10 लाख की राशि इस प्रकार गत 3 वर्षों से डर के मारे आरोपियों को दे रहे हैं। लेकिन अब पैसे न होने तथा इस धमकी के चलते 10 जनवरी को आत्महत्या करने का विचार सामने आया, किंतु उनकी पत्नी द्वारा उन्हें हिम्मत देकर आरोपियों के खिलाफ रामनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रोत्साहित किया। जिस पर रामनगर पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई गई है। लेकिन 10 दिनों के बाद भी आरोपियों पर पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने के चलते मेरी जान पर खतरा मंडराने लगा है।

कॉन्फ्रेंस में आगे नंदकिशोर सोनवाने ने जानकारी देते हुए बताया कि मैंने रामटेके नामक महिला को एक प्लाट बेचा था। जिसमें मुझे 3 लाख का बयाना मिला था। कुछ कारण के चलते रामटेके महिला द्वारा पैसे नहीं जमने के कारण मुझसे बयाना वापस मांगे। जब मैंने 1.50 लाख रुपए वापस किए और डेढ लाख रुपए देना बाकी था। जिसके पश्चात मेरे पास प्रशांत मेश्राम आया और उसने कहा कि बयाना के पैसे वापस क्यों नहीं कर रहे हो। तो मैंने कहा कि बयाना तो महिला ने लिया है मैं वापस उसे ही दूंगा। तभी उसके द्वारा फोन कर महिला से बात कराई गई और महिला ने पैसे इसी को दे दो, ऐसा कहा। जिस पर प्रशांत मेश्राम द्वारा मुझे डरा धमकाकर डेढ लाख रुपए की जगह 3 लाख वसूली किए। फिर यहीं से फिरौती का यह सिलसिला शुरु हो गया। इस घटना के पश्चात मेरी रेकी शुरु कर मुझ पर निरंतर दबाव बनाते हुए मैं घर से कब निकलता हूं, कहां जाता हूं, इसकी संपूर्ण जानकारी वह रखने लगे तथा समय-समय पर मुझे डरा-धमकाकर कभी 5 लाख, कभी 10 लाख, तो कभी 2 लाख इस प्रकार चार आरोपियों द्वारा मुझे अब तक 74 लाख रुपए की वसूली कर चुके हैं। उन चार आरोपियों के नाम मैंने पुलिस शिकायत में दर्ज करवाए हैं। जिसमें भीमनगर निवासी प्रशांत मेश्राम, दसखोली निवासी राजा साडेकर, कटंगी निवासी प्रतिक खोबरागडे और मधुकर काबड़े का नाम है। लेकिन पुलिस द्वारा अब तक कार्रवाई नहीं की गई है। पत्र परिषद में नंदकिशोर सोनवाने व उनकी पत्नी रंजना सोनवाने ने न्याय की मांग करते हुए सभी दोषियों पर कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है तथा फिर से फिरौती न मांगी जाए तथा उनके जान की सुरक्षा की जाए तथा आरोपियों के खिलाफ कडी कार्रवाई करने की मांग की है।

विवेक तायक्वांडो अकादमी के ४६ खिलाड़ी तायक्वांडो बेल्ट परीक्षा में सफल

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिला तायक्वांडो एसोसिएशन एवं विवेक तायक्वांडो अकादमी गोंदिया के संयुक्त तत्वाधान में फोण्डल अकादमी गणेश नगर में कलर बेल्ट ग्रेडेशन परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसमें विवेक तायक्वांडो अकादमी गोंदिया के 46 खिलाड़ियों ने सफलता प्राप्त कर परीक्षा उत्तीर्ण करते हुए विभिन्न बेल्ट प्राप्त किए। उपरोक्त बेल्ट परीक्षा में खिलाड़ियों से पुमसे, क्योरगी, तायकांडो की प्रैक्टिस, शारीरिक प्रशिक्षण लिया गया। यह परीक्षा गोंदिया जिला तायक्वांडो एसोसिएशन के महासचिव व जिले के प्रमुख प्रशिक्षक दुलीचंद मेश्राम सर, ओमेश्वर ताडेकर सर व पूर्व अग्रवाल द्वारा ली गई थी। बेल्ट वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में फोण्डल अकादमी से प्रीति होरा, नीलम अग्रवाल, धर्मेंद्र काले, विशाल ठाकुर उपस्थित थे। जिनके द्वारा खिलाड़ियों को बेल्ट वितरण किया गया। सफलता प्राप्त खिलाड़ियों को तथा उनकी इस उपलब्धि पर विवेक तायक्वांडो अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक नीलेश फुलबांधे व मुजीब बेग द्वारा शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में कुशल लिल्हारे, ओम भादूपोते, अमन आसवानी, यश शर्मा, विभोर अग्रवाल, माही चौधरी, आदिश्री ठाकरे, रिया चौधरी, कृतिका कोडारा, त्र्यंबक सोनवाने, डेनियाल खान, विनय तिड़के, प्रताप भादूपोते, ऋग्वेद येरपुडे ने अथक परिश्रम किया।

निवासी उपयोग के लिए की गई अकृषक भूमि पर का मेटरनिटी होम व प्लेग्राउंड का आरक्षण करें खत्म - पार्षद एड.पतेह

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर के प्रभाग क्रमांक 11 के अंतर्गत आने वाले गट 527/7, 528/7, 529/8, 527/8, 528/8, 529/9 की भूमि को निवासी उपयोग के लिए अकृषक (एनएटीपी) किया गया है। किंतु उपरोक्त भूमि पर नगर परिषद का मेटरनिटी होम का आरक्षण तथा गट क्रमांक 545/1, 545/2 पर प्लेग्राउंड के आरक्षण के चलते वर्षों से उपरोक्त क्षेत्र में प्लाट लेकर निवास कर रहे नागरिकों को विभिन्न शासकीय कार्यों में काफी परेशानियां आ रही हैं। जिसके चलते उपरोक्त आरक्षण को हटाने की मांग का ज्ञापन पार्षद हेमलता शशिकुमार पतेह द्वारा मुख्याअधिकारी व नगराध्यक्ष को देकर की गई है। उल्लेखनीय है कि उपरोक्त प्लाट जमीन का उपविभाग अधिकारी गोंदिया के

आदेश से निवासी उपयोग के लिए अकृषक किया गया है। किंतु उपरोक्त भूमि पर नगर परिषद का आरक्षण होने से जिन प्लाटधारकों द्वारा मकान बनाकर 10 से 11 सालों से अपने परिवार के साथ निवास कर रहे हैं तथा घर का टैक्स भी नगर परिषद प्रशासन को नियमित दे रहे हैं। किंतु आरक्षण के चलते उनके मकान के बांधकाम के नक्शे मंजूर नहीं हो पा रहे हैं। जिसके चलते उन्हें बैंक से कर्ज लेना मुश्किल हो गया है। इस कारण इस क्षेत्र के सैकडों लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। इस संदर्भ में क्षेत्र के नागरिकों के निवेदन के साथ पार्षद हेमलता पतेह के द्वारा गोंदिया नगर परिषद के मुख्याधिकारी व नगराध्यक्ष को ज्ञापन देकर आरक्षण हटाने की मांग की गई है।

गणतंत्र दिवस की ७२ वीं वर्षगांठ पर शान से लहराया तिरंगा

विधायक विनोद अग्रवाल ने दी गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

बुलंद गोंदिया - गणतंत्र दिवस के अवसर पर गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के विविध स्थानों पर विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर विधायक विनोद अग्रवाल ने गोंदिया विधानसभा के नागरिकों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी है। ध्वजारोहण के अवसर पर विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा कि हमारा देश गण (लोग). तन्त्र (सरकारी व्यवस्था) से चलता है। आज गण और तन्त्र दोनों सही दिशा में है और आशा है, की इसी मज़बूती से आगे बढ़ेगी।

फुंडे साइंस कॉलेज व सुकन्या विद्यालय में गणतंत्र दिवस पर हुआ ध्वजारोहण

बुलंद गोंदिया - लावण्या बहुउद्देशीय शिक्षण संस्था तथा एस.एन.एन. शिक्षण संस्था द्वारा संचालित फुंडे साइंस कॉलेज, सुकन्या विद्यालय एवं साइंस कॉलेज तथा महात्मा ज्योतिबा फुले आर्ट्स एवं कॉमर्स कॉलेज में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण करने के साथ ही भारतीय संविधान की प्रास्ताविका का वाचन कर शपथ दिलाई गई। फुंडे साइंस कॉलेज फूलपुर में जिला परिषद सदस्य संजय टेंभरे एवं पंचायत समिति सदस्य स्नेहा गौतम, कांटी में जिला परिषद सदस्य अनंदा वाढीवा एव पं.स.सदस्य जीतेश्वरी रंहागडाले का शाल व स्मृति चिन्ह देकर सत्कार किया गया। इस अवसर पर संस्था के संचालक गजेंद्र फुंडे सहित स्कूलों के अध्यापक व विद्यार्थी तथा ग्राम के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मागासवर्गीय विद्यार्थियों को विभिन्न स्पर्धाओं के पुरस्कार वितरण

बुलंद गोंदिया - 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला न्यायालय गोंदिया में भारतीय संविधान के प्रस्ताविकता का पठान कर प्रमुख जिला व सत्र न्यायाधीश औटी के हस्ते ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायालय परिसर में प्रमुख जिला और सत्र न्यायाधीश ओटी व अन्य न्यायाधीशों और वकीलों के हस्ते पौधारोपण किया गया। जिला विधि सेवा प्राधिकरण द्वारा 2 अक्टूबर से 14 नवंबर 2021 के दौरान स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत पालावरची शाला शिवाजीनगर कुड़वा गोंदिया में निबंध, घोषवाक्य, चित्रकला स्पर्धा का आयोजन किया गया था। इस स्पर्धा में 108 विद्यार्थियों विद्यार्थी शामिल हुए थे। जिसमें से 27 विद्यार्थियों द्वारा सफलता प्राप्त की। विद्यार्थियों को जिला विधि सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष तथा प्रमुख जिला सत्र न्यायाधीश ओटी के हस्ते नगद राशि व प्रमाणपत्र वितरित किया गया।

आयोजित कार्यक्रम में न्यायीक अधिकारी शरद पराते, एन. बी.लवटे, एन.आर.वानखडे, एस.एस.मौदेकर, एस.जे.भट्टाचार्य, एस.वी.पिंगले, जे.एम.चव्हाण, श्रीमती आर.डी.पुनसे, वी.आर. आसुदानी, एस.डी.वाघमारे, जी.डी.गुरनुले, जिला वकील संघ के अध्यक्ष टी.बी.कटरे, सचिव डॉ.सचिन बोरकर, एड.महेश चांदवानी, कृष्णा पारधी, वसंता चुटे, आगासे, पाटनकर, बड़े, जानी, शेख, पटेल, ओ.जी.मेठी, प्रबंधक आर.जी.बोरीकर, अधीक्षक पी.पी.पांडे, पी.डब्ल्यू.रणदिवे, एन.एल.रंगारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एड.प्रणिता कुलकर्णी ने किया आभार प्रशांत बोरसे ने माना।

पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के हस्ते ध्वजारोहण

नये उड़ान पुल व शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना के प्रयास शुरु

बुलंद गोंदिया - गणतंत्र दिवस की 72 वी वर्षगांठ के शुभ अवसर पर गोंदिया शहर में पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के हस्ते विभिन्न स्थानों पर ध्वजारोहण किया गया। जिसमें सुभाष चौक, विमलताई स्कूल के पास कटंगी, साई नगर मरारटोली, टी-पाईंट चौक, मारवाड़ी स्कूल, राजस्थान कन्या विद्यालय, बाजपाई चौक, कुम्भार टोली, आशीर्वाद धर्मकांटे के पास गौतम नगर, श्री राम चौक सर्कस मैदान, राजीव गांधी चौक फूलचूर नाका, जयस्तंभ चौक काली पीली टैक्सी स्टैंड, बसंत नगर, रामनगर बाजार चौक, पेंटर चौक सूर्यटोला में ध्वजारोहण हुआ।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने कहा कि भारत देश को हम हिंदुस्तानियों ने मां का दर्जा दिया है। भारत मां की रक्षा हर भारतीय का आर्थिक, सामाजिक विकास हम सभी की प्राथमिकता हैं। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के नेतृत्व में देश में कई क्रांतिकारी गतिविधियां जारी है। जिससे देश विकास और प्रगति की ओर अग्रसर हो रहा है। साथ ही उन्होंने आगे कहा कि गोंदिया शहर के विकास की रफ्तार को आगे रखने का हर संभव प्रयास किया है। पुराने रेलवे उड़ान पुल के स्थान पर नये उड़ान पुल के निर्माण व शहर में शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज शुरु करने का हमारा प्रयास शुरु है। जिसके लिए बांधकाम विभाग के मंत्री अशोक चौहान से लगसतसा संपर्क में हैं। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर जिला भाजपा उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रकाश रहमतकर, राकेश ठाकुर, पंकज रहागडाले, भावना कदम, सुनील केलनका, गोल्डी गावंडे, अमित झा, सचिन मिश्रा, सीताराम अग्रवाल, श्यामका सर, गोविंद अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गांधीजी के अहिंसावादी सिद्धांतो से ही देश में अमन एवं शांती रहेगी कायम - पूर्व विधायक राजेंद्र जैन

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी की पुण्यतिथी राष्ट्रवादी काँग्रेस भवन रेलटोली गोंदिया में पूर्व विधायक राजेंद्र जैन की प्रमुख उपस्थिति में मनाई गई। इस अवसर पर राजेंद्र जैन ने गांधीजी के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। राष्ट्रवादी काँग्रेस के प्रदेश सचिव देवेंद्रनाथ चौबे, अशोक सहारे, आशा पाटील, मनोहर वालदे, राजू एन.जैन तथा उपस्थित लोगो ने गांधीजी के तैलचित्र पर माल्यार्पण किया। पुर्व विधायक जैन ने उपस्तिथो को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश को गांधीजी के अहिंसावादी सिद्धांतो का अनुसरण करना होगा। तभी देश मे अमन, शांती एंव सौहार्द कायम रहेगा।

एन.एम.डी.कॉलेज गोंदिया में एम.बी.ए. के विद्यार्थियों ने मतदार जागृती के लिये किया पथनाट्य का आयोजन

किसी ने की सराहना तो किसी ने बताया आम आदमी के लिए दुखदाई

बुलंद गोंदिया - देश के आगामी वित्तीय वर्ष के लिए आम बजट 1 फरवरी 2022 को देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में पेश किया। जिस पर गोंदिया जिले के विधायक विनोद अग्रवाल व विधान परिषद सदस्य परिणय फुके ने इसकी सराहना की तो वहीं जिला किसान सेल के महासचिव भोला गुप्ता ने इसे आम आदमी के लिए दुखदाई बजट बताया है।

2022 का केंद्रीय बजट आत्मनिर्भरता की दृष्टि से देश की राह को रेखांकित कर विकास को गति देने वाला बजट - विधायक डॉ. परिणय फुके

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आज संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पेश किये गए बजट पर गोंदिया-भंडारा विधान परिषद क्षेत्र के विधायक डॉ. परिणय फुके ने हर्ष व्यक्त कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। विधायक फुके ने कहा, वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया बजट एक ऐसा बजट है जो आत्मनिर्भरता की दिशा में देश के मार्ग को रेखांकित करनेवाला, जोर देनेवाला एवं देश के विकास को गति देनेवाला बजट है। केंद्रीय बजट 2022 में देश के किसानों के लिए कई अहम घोषणाएं की गई हैं। मैं इन योजनाओं के लिए केंद्र सरकार को बधाई और धन्यवाद देता हूं। फसलों के आकलन के लिए किसान ड्रोन का उपयोग, भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण, कीटनाशकों का उपयोग और पोषक तत्वों का छिड़काव निश्चित रुप से एक आधुनिक और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक कदम है।

केंद्रीय बजट में शून्य बजट कृषि को विशेष प्रोत्साहन देने के लिए मैं केंद्रीय वित्त मंत्री को धन्यवाद देता हूं। पीपीपी मॉडल में सार्वजनिक क्षेत्र के अनुसंधान और विस्तार संस्थानों और कृषि मूल्य श्रृंखला में हितधारकों की भागीदारी के साथ किसानों को डिजिटल और उच्च तकनीक सेवाएं प्रदान करने का भी प्रावधान है। नाबार्ड कृषि उत्पादों की मूल्य श्रृंखला के लिए संबंधित कृषि और ग्रामीण पहल के लिए स्टार्ट-अप को धन मुहैया कराने की घोषणा आम किसानों के लिए राहत की बात है। बजट में सड़क, रेलवे, ऊर्जा, स्वास्थ्य के साथ-साथ शिक्षा, महिला, युवा और बुनियादी ढांचे को विशेष महत्व दिया गया है। यह एक ऐसा बजट है जो समाज के हर तत्व को कवर करता है। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी और निर्मला सीतारमण को विशेष बधाई विधायक डॉ. परिणय फुके ने दी।

केंद्र सरकार द्वारा पेश किया गया बजट सकारात्मक एवं स्वागत योग्य है - विधायक विनोद अग्रवाल

केंद्र सरकार द्वारा पेश किया गया बजट सकारात्मक एवं स्वागत योग्य है। पिछले दो वर्षों से देश का आर्थिक विकास कोरोना महामारी के चलते प्रभावित रहा है। इन विषम परिस्थितियों से निकलने के लिए केंद्र सरकार द्वारा अपने बजट के माध्यम से देश के विकास की गति को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं वे सराहनीय हैं।

बजट में धान एवं गेहू की अधिप्राप्ति को बढ़ाने के निर्णय से किसानों को काफी फायदा होगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 80 लाख नए मकानों के निर्माण का निर्णय स्वागत योग्य है। साथ में 400 वंदे भारत एक्स्प्रेस रेल्वे के इतिहास में देश की शान बढाएगा

आम आदमी के लिये दुखदायी बजट - भोला गुप्ता

गोंदिया जिला कांग्रेस किसान सेल के महासचिव भोला गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार ने किसानो के लिये विशेष नीति बजट नही बना कर अपना विरोध दर्शा दिया। इन्कम टेक्स स्लेब को वैसा ही रख दिया। बढती महंगाई का मुद्दा दरकिनार कर दिया गया। जिससे यह आम आदमी के लिये दुख दायी बजट रहा। एक राष्ट्र एक रजिस्ट्री पुरानी सरकार की ही निति है। क्रिप्टो करेंसी पर टेक्स लगाकर आम जनता पर नया आर्थिक बोझ आ गया।

चौहान परिवार ने की गणखैरा टोला के गौशाला में

बाणेश्वर महादेव शिव पंचायत की प्राण प्रतिष्ठा

बुलंद गोंदिया - गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आनेवाले ग्राम गणखैरा टोला में गोंदिया गौशाला वार्ड निवासी चौहान परिवार द्वारा संचालित सुभद्रादेवी एग्रो फार्म की गौशाला में गोंदिया जिले में प्रथम बाणेश्वर महादेव व शिव पंचायत की प्राण प्रतिष्ठा व भव्य मंदिर की स्थापना संपूर्ण विधिविधान से की गई।

प्राण प्रतिष्ठा एवं शिखर प्रतिष्ठा का आयोजन 23 से 27 जनवरी तक संपूर्ण विधि विधान से किया गया। भगवान भोलेनाथ के स्वरुप बाणेश्वर शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा शहर के प्रसिद्ध आचार्य ललित पुरोहित के प्रमुख मार्गदर्शन में अन्य प्रतिष्ठित पुरोहितों द्वारा किया गया। इस दौरान मथुरा से पधारे गुरु विष्णु प्रसादजी महाराज द्वारा 5 दिनों तक अपनी मधुर वाणी में सत्संग प्रवचन कर उपस्थित भक्तगणों का मार्गदर्शन किया गया। इस प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 27 जनवरी को महाप्रशाद का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम व शहर के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। विशेष यह कि उपरोक्त बाणेश्वर शिवलिंग जबलपुर की नर्मदा जी के जलकुंड की अतल गहराईयों से प्राप्त किया गया है, जो हजारों शिवलिंग में मात्र एक ही प्राप्त होता है। उल्लेखनीय है कि संपूर्ण गोंदिया जिले में यह बाणेश्वर महादेव लिंग प्रथम ही है। जिसकी उपासना आराधना करने पर अनंत फल प्राप्त होता है। इस प्रकार की जानकारी पुराणों में उल्लेखित है। बाणेश्वर महादेव शिवलिंग के साथ शिव पंचायत की भी स्थापना कर प्राण प्रतिष्ठा की गई। जिसमें प्रथम पूज्य श्री गणेश, भगवान शंकर की अर्धांगिनी माता पार्वती व भगवान कार्तिकेय तथा महादेव के परम भक्त नंदी की प्रतिमा भी स्थापित हुई है, जो मनमोहक रूप में विराजित है। इस अवसर पर 5 दिनों तक पंचकुंडीय यज्ञ किया गया।

नरेंद्र आर्य द्वारा बनाई गई आकर्षक रंगोली

पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाना था, हवाहवाई बजट है - पुरुषोत्तम मोदी

पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाना था। जिससे इनके रेट्स में कमी आती। आम आदमी को बहुत आशा थी कि सरकार ऐसा कोई क्रांतिकारी कदम उठाएगी, लेकिन निराशा हाथ लगी। ऊंची दुकान, फीके पकवान। 5 ट्रिलियन इकोनॉमी की बाते करते करते, अब 25 साल बाद के भारत की आधार शिला रखने की बात कर रहे हैं। सिर्फ गाल बजाने का काम आम आदमी बजट में खोजता है कि इस बजट से उसके घर के बजट को राहत मिली क्या? नही मिली कोई राहत, कोई नई रेल मिली क्या मेरे शहर को? लेकिन यहां तो बस घोषणा हो गई कि अगले सालो में शुरु हो जाएगी। कब होगी? कहां से कहां होगी? पता करते रहो। अब यात्री भाड़े में कमी की कोई चर्चा तक नहीं। सिर्फ मीडिया में बड़ी बड़ी हेडलाइंस चल जाए, वैसी घोषणा करके चली गई निर्मला सीतारमण।

- पुरुषोत्तम मोदी, विदर्भ कोषाध्यक्ष, आम आदमी पार्टी

डॉ. लोकेश चिर्वतकर को उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए पर्यावरण मंत्री संजय बंसोडे ने किया सम्मानित

बुलंद गोंदिया - गोंदिया के प्रसिद्ध मानसिक रोग तज्ञ काचेवानी निवासी डॉ. लोकेश चीर्वतकर द्वारा गत 10 वर्षों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में गोंदिया व भंडारा जिले में उत्कृष्ट योगदान देने के साथ ही सामाजिक कार्यों में भी निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके द्वारा चिकनगुनिया रोग पर निशुल्क उपचार, कोरोना काल में कम से कम फीस में जांच व उपचार, ग्राम काचेवानी में स्वयं के खर्च से स्कूल के विद्यार्थियों के लिए वाचनालय चलाना, जरुरतमंद व गरीब विद्यार्थियों को पुस्तक वितरण तथा आर्थिक सहायता करना, दरिद्र रेखा के नीचे आनेवाले मरीजों का निजी चिकित्सालय में कम शुल्क में उपचार तथा 2021-22 से निशुल्क उपचार साथ में भारतीय सेना के जवानों के परिजनों का निशुल्क उपचार तथा विभिन्न सांस्कृतिक सामाजिक कार्य बच्चों के लिए गांव में आयोजन करना आदी विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने पर 26 जनवरी 2022 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के पर्यावरण राज्यमंत्री संजय बनसोडे के हस्ते प्रशस्तीपत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने पर मित्र परिवार द्वारा उनका अभिनंदन किया गया।

आरपीएफ की सतर्कता से महिला यात्री की जान बची

चलती ट्रेन से गिर रही महिला को बचाया

बुलंद गोंदिया - गोंदिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 4 पर 26 जनवरी को 11.05 बजे के दौरान गाड़ी क्रमांक 12410 में कोच संख्या बी 5 बर्थ नंबर 17 पर गोंदिया से रायगढ़ तक की यात्रा कर रही महिला यात्री जब अपने कोच की ओर जा रही थी, इसी दौरान ट्रेन गोंदिया रेलवे स्टेशन से रवाना होने लगी, तो महिला यात्री द्वारा दौड़कर कोच संख्या 2 में चढ़ने का प्रयास किया। जिसमें चढ़ते समय संतुलन बिगड़ने से वह चलती ट्रेन से गिर रही थी। इसी दौरान मौके पर तैनात सहायक उपनिरीक्षक रोशन कुमरे द्वारा तत्काल कार्रवाई कर अपनी जान की परवाह न कर महिला यात्री को लगातार पकड़ कर रखा तथा संभालते हुए महिला यात्री को सुरक्षित कोच के अंदर पहुंचा दिया। रोशन कुमरे द्वारा अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए की गई तत्काल कार्यवाही से उक्त महिला यात्री की जान बच गयी। जिस पर महिला यात्री के परिवार व मौजूद अन्य यात्रियों द्वारा रेलवे सुरक्षा बल की सराहना की गई।

केंद्रीय मंत्री गडकरी सपत्नी विजय रहांगडाले के निवास पर पहुंचकर दी सांत्वना

अविष्कार की आकस्मिक मौत पर जताया शोक

बुलंद गोंदिया - तिरोड़ा के विधायक विजय रहांगडाले के इकलौते पुत्र अविष्कार रहांगडाले की आकस्मिक मौत वर्धा जिले में सड़क दुर्घटना में 25 जनवरी को हो गई थी। इस घटना में शोकाकुल परिवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा अपनी पत्नी के साथ उनके तिरोड़ा तहसील के अंतर्गत आनेवाले ग्राम खमारी गांव में 30 जनवरी को पहुंच कर सांत्वना देते हुए अविष्कार की आकस्मिक मौत पर शोक व्यक्त करते हुए अविष्कार को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि इस सड़क दुर्घटना को लेकर वे काफी आहत हैं। यह दुर्घटना कैसे हुई है इसके कारणों की जांच के लिए समिति का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि श्री रहांगडाले के परिवार से उनके परिवारिक संबंध हैं तथा केंद्रीय मंत्री गडकरी ने उनके दुख में शामिल होकर प्रार्थना की कि भगवान अविष्कार की आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें व रहांगडाले परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले व भाजपा के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

महुआ फुल की शराब को सुपर मार्केट में बेचने की दे इजाजत

मुख्यमंत्री को किसान ने लिखा पत्र

बुलंद गोंदिया - फलोत्पादन किसानों के हित को देखते हुए राज्य शासन ने मंत्रीमंडल में निर्णय लिया है कि अब किराना दुकानों एवं सुपर मार्केट में वाइन बेची जा सकेगी। इसी तर्ज पर विदर्भ के महुआ फुल को भी न्याय देकर महुआ फुल शराब को सुपर मार्केट एवं किराना दुकानों में बेचने की अनुमति दी जाए। ताकि विदर्भ के किसान तथा महुआ फुल पर आधारित मजदूरों को रोजगार मिल सके। इस तरह का पत्र सड़क अर्जुनी पंचायत समिति के पूर्व उपसभापति एवं किसान राजेश कठाने ने मुख्यमंत्री को भेजा है। बता दें कि राज्य मंत्रीमंडल की बैठक में 27 जनवरी को महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है कि राज्य के किराना दुकानों और सुपर मार्केट में वाइन बेचने को मंजूरी दे दी गई है। इस निर्णय से यह भी कहा जा रहा है कि फलोत्पादक किसानों को फायदा पहुंचेगा। उसी के साथ शासन के राजस्व में बढ़ोत्तरी होगी। हालांकि इस निर्णय का कुछ स्तर पर विरोध भी हो रहा है। लेकिन गोंदिया जिले के सड़क अर्जुनी पंचायत समिति के पूर्व उपसभापति एवं किसान राजेश कठाने ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा कि उपरोक्त निर्णय के तहत विदर्भ के महुआ फुल को भी शामिल किया जाए। क्योंकि गोंदिया, भंडारा, गडचिरोली सहित अन्य जिलों में महुआ फुल का उत्पादन बड़े पैमाने पर होता है। जिसका उपयोग औषधीय गुणों के साथ शराब के लिए भी किया जाता है। विशेषज्ञों का भी कहना है कि महुआ फुल शराब सेहत के लिए लाभदायक हो सकती है। महुआ फुल शराब के लाभ को देखते हुए वाइन के साथ महुआ फुल शराब को भी किराना दुकानों एवं सुपर मार्केट में बेचने की इजाजत दी जाए। ताकि विदर्भ के किसान एवं मजदूरों को रोजगार मिल सके और शासन के राजस्व में अधिक बढ़ोत्तरी हो सके।

पत्रकार के विरुद्ध शिकायत पर दर्ज करने पर झूठा हुआ मुकदमा तो राज्यों के डीजीपी होंगे जिम्मेदार - सुप्रीम कोर्ट

उच्चतम न्यायालय के इस आदेश का फेडरेशन फॉर कम्युनिटी ऑफ डिजिटल न्यूज़ के साथ देश भर के पत्रकारों ने किया स्वागत

दिल्ली - पत्रकारों के खिलाफ अधिकतर मामलो में झूठी शिकायत पर होने वाले मुकदमे पर देश के सर्वोच्च न्यालय ने स्पष्ट करते हुए कहा है कि किसी भी पत्रकार पर झूठी शिकायत पर झूठा मुकदमा दर्ज हुआ तो राज्यों के डीजीपी उसके लिए जिम्मेदार होंगे, जिसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशक को स्पष्ट निर्देश दिए है। उल्लेखनीय है कि डिजिटल मीडिया के सेल्फ रेगुलेटरी बोर्ड फेडरेशन फॉर कम्युनिटी ऑफ डिजिटल न्यूज़ ने लगातार देशभर में कोरोनाकाल में दर्ज हो रहे मुकदमों को गंभीरता से लिया है। इस बाबत डिजिटल मीडिया के सेल्फ रेगुलेटरी बोर्ड फेडरेशन फॉर कम्युनिटी ऑफ डिजिटल न्यूज़ द्वारा गृहमंत्री अमित शाह को भी पत्र लिखकर समाज के इस चौथे स्तंभ की निष्पक्षता पर हमला बताया है। उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता ए.पी. सिंह ने उच्चतम न्यायालय में इस बाबत सुनवाई के दौरान पत्रकारों का पक्ष रखते हुए इस पर न्यायालय को संज्ञान में लेने का आग्रह किया। जिस पर उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई के दौरान सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशक को यह स्पष्ट निर्देश दिए है कि जिसमे पत्रकारों के ऊपर समाचार संकलन को लेकर झूठे मुकदमे दर्ज करने पर न्यायालय की अवमानना का मामला दर्ज किया जाएगा।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।